दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 14 फरवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 137

अंतर्राष्ट्रीय

पीएम मोदी ने अमेरिकी खुफिया प्रमुख गबार्ड से की मुलाकात, 'भारत-अमेरिका की मित्रता' पर हुई चर्चा

वाशिंगटन । अमेरिका पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पहली औपचारिक आधिकारिक बैठक में अमेरिका के राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड से मुलाकात की। बुधवार को तुलसी गबार्ड को अमेरिका की डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस बनाए जाने की पुष्टि की गई। बुधवार रात बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, उन्हें उनकी नियुक्ति पर बधाई दी। भारत-अमेरिका मित्रता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, जिसकी वह हमेशा से प्रबल समर्थक रही हैं। बुधवार को सीनेट में देश की शीर्ष खुफिया पद के लिए हुए मतदान में गबार्ड ने जीत हासिल की और प्रधानमंत्री मोदी से मिलने से कुछ घंटे पहले ही शपथ ली। उन्हें 52 वोट मिले। केवल एक रिपब्लिकन सीनेटर मिच मैककोनेल ने डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर उनके खिलाफ वोट किया। गबार्ड एक अमेरिकी हिंदू हैं। उनके विरोधियों में से कुछ ने उनके खिलाफ अपने अभियान में उनके धर्म का इस्तेमाल किया। प्रतिनिधि सभा में अपने 11 वर्षों के कार्यकाल के दौरान, वह भारत की प्रबल समर्थक रहीं। उन्होंने हाउस इंटेलिजेंस सब-कमेटी और सशस्त्र बल समिति में भी काम किया। वह डेमोक्रेटिक पार्टी की सदस्य रही और बाद में ट्रंप की सहयोगी बन गईं। अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने गबार्ड को पद की शपथ दिलाई, जिन्हें ट्रंप ने असाधारण साहस और देशभक्त अमेरिकी महिला बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि उन्हें आर्मी नेशनल गार्ड में तीन बार तैनात किया गया था और वह एक पूर्व डेमोक्रेटिक कांग्रेस वुमन हैं। हवाई से डेमोक्रेटिक कांग्रेस वुमन 43 वर्षीय गबार्ड को जासूसी एजेंसियों की देखरेख के लिए उनकी उपयुक्तता के बारे में द्विदलीय संदेह का सामना करना पड़ा था। गबार्ड ने राष्ट्रपति को उनके प्रति विश्वास के लिए धन्यवाद दिया और शपथ ग्रहण के बाद खुफिया समुदाय को फिर से केंद्रित करने की कसम खाई।

अफगानिस्तान के समांगन प्रांत में कोयला खदान में विस्फोट, तीन खनिकों की मौत

काबुल । अफगानिस्तान के उत्तरी समांगन प्रांत में एक कोयला खदान में मीथेन गैस के विस्फोट के कारण तीन खनिकों की मौत हो गई। यह घटना दारा-ए-सूफी बाला जिले के एक कोयला खदान में हुई। सिन्हुआ ने प्रांतीय पुलिस के हवाले से बताया कि विस्फोट में तीन नाबालिग खनिकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर तीनों मृतकों के शव बरामद किए और उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया। यह घटना मंगलवार (12 फरवरी) को हुई। पुलिस के मुताबिक, खदान में मीथेन गैस का उच्चतम स्तर होने के कारण विस्फोट हुआ, जिससे यह हादसा हुआ। अफगानिस्तान में खनन कार्यों के दौरान ऐसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। विशेष रूप से खनन में आधुनिक उपकरणों की कमी और खनिकों की अकुशलता के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। देश के कई खनिक अवैध खनन के कारण भी जान गंवाते हैं। इससे पहले, 11 फरवरी को उत्तरी बदख्शां प्रांत में एक भूस्खलन ने दो स्वर्ण खनिकों की जान ले ली थी। 12 दिसंबर 2024 को अफगानिस्तान के समांगन प्रांत में एक कोयला खदान के मलबे में कई खनिक फंस गए थे। स्थानीय अधिकारियों ने खुद इसकी जानकारी दी थी।

भारत के ब्रह्मोस मिसाइल की वैश्विक मांग बढ़ी, 4 और देश बन सकते हैं खरीदार

नई दिल्ली । आरएनएस

भारत में निर्मित ब्रह्मोस सुपरसॉनिक क्रूज मिसाइल की लोकप्रियता दुनियाभर में बढ़ती जा रही है। फिलीपींस को सफलतापूर्वक मिसाइल की आपूर्ति शुरू करने के बाद, अब चार और देशों ने इस अत्याधुनिक हथियार को हासिल करने में दिलचस्पी दिखाई है। हालांकि, रक्षा मंत्रालय या सेना की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

भारत सरकार चार अतिरिक्त देशों – संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, मिस्र और वियतनाम – को ब्रह्मोस मिसाइल बेचने की योजना बना रही है। रिपोर्ट में सूत्रों का हवाला देते हुए बताया गया है कि ये देश मुख्य रूप से ब्रह्मोस के भूमि-आधारित संस्करण में रुचि दिखा रहे हैं। फिलीपींस ने तटीय रक्षा के लिए ब्रह्मोस के एंटी-शिप संस्करण का ऑर्डर दिया है, जिसकी मारक क्षमता 290 किलोमीटर है।

इससे पहले, भारत ने फिलीपींस के साथ ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति का सौदा तय किया था और डिलीवरी भी शुरू कर दी है। इंडोनेशिया के साथ भी मिसाइल खरीद को लेकर बातचीत जारी है और जल्द ही इंडोनेशियाई प्रतिनिधिमंडल के भारत आने की संभावना है।

ब्रह्मोस एयरोस्पेस के महानिदेशक जेआर जोशी ने एक अखबार से बातचीत में बताया कि ब्रह्मोस एनजी (नेक्स्ट जेनरेशन) मिसाइल के परीक्षण शुरू हो चुके हैं और 2026 तक पूरे होने की उम्मीद है। इस नई पीढ़ी की मिसाइल को सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों पर तैनात किया जाएगा, जिससे इसकी हवाई मारक क्षमता और बढ़ेगी।

एयरो इंडिया 2025 के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय रक्षा उद्योग की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश एक क्रांतिकारी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने बताया कि एक समय था जब भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए 65-70% आयात पर निर्भर था, लेकिन आज स्थिति उलट गई है और लगभग उतने ही प्रतिशत रक्षा उपकरणों का निर्माण देश में ही हो रहा है।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि भारत अब छोटे हथियारों से लेकर ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल सिस्टम जैसे बड़े हथियार प्लेटफॉर्म तक कई देशों को निर्यात कर रहा है। यह न केवल भारत के रक्षा निर्यात को बढ़ा रहा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के साथ नए रक्षा सहयोग और साझेदारी को भी मजबूत कर रहा है।

एलओसी पर पाकिस्तान ने किया सीजफायर का उल्लंघन, भारतीय सेना ने दिया जवाब; कई पाक सैनिकों के मारे जाने की खबर

जम्मू । आरएनएस

पाकिस्तान एलओसी पर अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एलओसी पर उसने सीजफायर का उल्लंघन करते हुए गोलीबारी की। गोलीबारी का भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया, जिसमें काफी संख्या में पाकिस्तानी सैनिक हताहत हुए। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पाकिस्तान की तरफ हुए नुकसान की जानकारी तत्काल नहीं मिल पाई है, लेकिन अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना को काफी नुक्सान हुआ है। भारतीय सेना ने इस जानकारी की न तो पुष्टि की और न ही खंडन किया। अधिकारियों ने बताया कि कृष्णा घाटी सेक्टर में पाकिस्तान द्वारा संघर्ष-विराम का उल्लंघन ऐसे समय में किया गया, जब एक दिन पहले ही जम्मू जिले के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में एक कैप्टन सहित 2 भारतीय सैन्यकर्मियों की जान चली गई थी।

भारत और पाकिस्तान द्वारा 25 फरवरी 2021 को संघर्ष-विराम समझौते को नवीनीकृत करने के बाद से नियंत्रण रेखा पर संघर्ष-विराम उल्लंघन की बहुत कम घटनाएं दर्ज की गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी सैनिकों ने नियंत्रण रेखा पर तारकुंडी क्षेत्र में अग्रिम चौकी पर बिना उकसावे के गोलीबारी कर संघर्ष-विराम का उल्लंघन किया, जिसका भारतीय सेना ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। इस बीच सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी सेना के एक अधिकारी का वीडियो प्रसारित हो रहा है, जिसमें वह मारे गए सैनिकों को श्रद्धांजलि देते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो पर तारीख का जिक्र नहीं है।

कानपुर से लेकर बरेली तक आयकर विभाग की ताबड़तोड़ छापेमारी, ताला तोड़कर कारोबारी के घर में घुसी टीम

बरेली । आरएनएस

कानपुर में पान मसाला व्यापारी अमित भारद्वाज के खिलाफ आयकर विभाग ने आज बड़े पैमाने पर छापेमारी की। न केवल उनके घर और गोदाम पर, बल्कि उनके बड़े भाई रामसेवक के निवास स्थान पर भी कार्रवाई की गई। इस छापेमारी से दिन भर व्यापारियों में हलचल मच गई। सुबह करीब छह बजे, लखनऊ और दिल्ली से आयातित संयुक्त टीम राजेंद्र नगर स्थित भारद्वाज के घर पर पहुंची। कई बार घंटी बजाने पर भी व्यापारी ने ताला न खोलने पर, अधिकारियों ने गेट का ताला तोडक़र प्रवेश किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारद्वाज द्वारा एक ही वाहन की बिल्टी से कई गाडिय़ों का माल कानपुर स्थित कंपनी को भेजा जा रहा था, जिसके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी।

लगभग 12:30 बजे अधिकारियों ने श्री त्रिवटीनाथ मंदिर के पास बीडीए कालोनी में स्थित भारद्वाज के बड़े भाई रामसेवक के घर पर भी छानबीन की। वहाँ पहुँचते ही पता चला कि रामसेवक वर्तमान में महाकुंभ में भाग ले रहे हैं। इस स्थान पर भी, घर एवं गोदाम के ताले तोडक़र जांच की गई।

सुबह से शाम तक दोनों स्थानों पर आयकर टीम ने परिवार के सदस्यों, कर्मचारियों एवं आस-पास मौजूद सगे संबंधियों से पूछताछ करते हुए टैक्स चोरी और अवैध स्रोतों से आय के सबूत जुटाने की कोशिश की। इलाके में पुलिस द्वारा कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए, जिसके चलते स्वजन एवं व्यापारी के फोन जब्त कर लिए गए और जरूरी दस्तावेजों की जांच की गई।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में पेश किया नया आयकर बिल

नई दिल्ली । आरएनएस

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा गुरुवार को लोकसभा में नया इनकम टैक्स बिल 2025 पेश कर दिया गया है। नए बिल में सरकार ने कानूनों के सरलीकरण पर जोर दिया गया है। नया कानून पुराने इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की जगह लेगा, जो कि मौजूदा समय में पुराना पड़ चुका है और बार-बार संशोधनों के कारण काफी पेचीदा हो गया है। नए इनकम टैक्स बिल 2025 में सरकार ने सुधारों और कानून को सरल बनाने पर जोर दिया है।

नए इनकम टैक्स बिल 2025 में सेक्शन की संख्या घटाकर 819 से 536 कर दी गई है। इसमें अनावश्यक छूटों को समाप्त कर दिया गया है और साथ ही नए बिल में कुल शब्द संख्या 5 लाख से घटाकर 2.5 लाख कर दी गई है। नए इनकम टैक्स बिल में चीजों को आसान बनाने पर फोकस किया गया है। साथ ही 'असेसमेंट ईयर' को 'टैक्स ईयर' से रिप्लेस किया जाएगा। नया टैक्स कानून एक अप्रैल, 2026 से अमल में लाया जाएगा।

लोकसभा में पेश होने के बाद, नए कानून को आगे के विचार-विमर्श के लिए वित्त पर संसदीय स्थायी समिति को भेजा जाएगा। यह बिल मौजूदा टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं करेगा या दी गई टैक्स छूट को कम करेगा। इसके बजाय नए कानून का लक्ष्य छह दशक पुराने कानून को मौजूदा समय के अनुकूल बनाना है।

इससे भारत का टैक्स बेस मजबूत होगा और लंबे समय में आय स्थिरता में सुधार होगा। यह कानून भारत के टैक्स सिस्टम को ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस के करीब भी लाता है। नए इनकम टैक्स बिल 2025 की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें टेक्नोलॉजी से संचालित असेसमेंट पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

अधिक स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए नए इनकम टैक्स बिल में व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए व्याख्या को आसान बनाने के लिए टैक्स प्रावधानों को समझाने के लिए तालिकाएं, उदाहरण और सूत्र भी शामिल किए गए हैं। टैक्स कानूनों को सरल बनाकर नए इनकम टैक्स बिल 2025 में सरकार की कोशिश है कि बिजनेस अपना ध्यान वृद्धि पर लगाए न कि टैक्स प्लानिंग पर। इससे देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य को पद्म पुरस्कार देने की मांग

आचार्य सत्येंद्र दास की अंतिम यात्रा में शामिल हुए डॉ. रामविलास वेदांती

अयोध्या । आरएनएस

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के उपाध्यक्ष और पूर्व सांसद डॉ. रामविलास वेदांती ने रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास जी महाराज के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होने के बाद पूर्व सांसद ने सरकार से उन्हें पद्म पुरस्कार देने की मांग की है।

डॉ. वेदांती ने कहा कि , मैं आचार्य सत्येंद्र दास को 1968 से जानता हूं, जब मैं पहली बार अयोध्या आया था। उन्होंने ही मुझे हनुमानगढ़ी में भर्ती कराया था और हम साथ मिलकर पूजा करते थे। वह हमेशा समर्पित भाव से रामलला की सेवा में लगे रहे और आज भी उनके तपस्या और भजन महसूस किए जा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आचार्य सत्येंद्र दास रामलला के पहले पुजारी थे और जब तक रामलला विराजमान रहेंगे, तब तक उनकी पूजा करते रहेंगे। वेदांती ने यह भी कहा कि अब जब रामलला के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है, तो सत्येंद्र दास को उनके योगदान के लिए पद्म पुरस्कार मिलना चाहिए। उन्होंने इस पर सवाल उठाया कि यदि मुलायम सिंह यादव को पद्म भूषण मिल सकता है, तो रामलला के पहले पुजारी को यह सम्मान क्यों नहीं दिया जा सकता।

डॉ. वेदांती ने आचार्य सत्येंद्र दास के जीवन और उनकी साधना को याद करते हुए कहा कि उनका पूरा जीवन रामलला की सेवा में समर्पित था। उनकी भक्ति और समर्पण को देखते हुए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाना चाहिए। वेदांती ने सरकार से आग्रह किया कि संत समाज के ऐसे महापुरुषों को भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलनी चाहिए, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन धर्म और आस्था की सेवा में लगा दिया।

उल्लेखनीय है कि आचार्य सत्येंद्र दास का निधन बुधवार को हो गया था। लखनऊ एसजीपीजीआई में बुधवार को उन्होंने अंतिम सांस ली थी। वह लंबे समय से अस्वस्थ थे और एसजीपीजीआई में उनका इलाज चल रहा था।

सत्येंद्र दास को 2 फरवरी को स्ट्रोक के कारण अयोध्या के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें पहले ट्रामा सेंटर और फिर लखनऊ एसजीपीजीआई रेफर किया गया था। अस्पताल प्रशासन द्वारा जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, वह मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों से भी ग्रस्त थे।

इसके बाद 4 फरवरी को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अस्पताल पहुंचकर उनका कुशलक्षेम जाना था। इस दौरान सीएम योगी ने डॉक्टरों से इलाज की प्रगति पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे।

राम मंदिर के निर्माण के दौरान और उसके बाद भी आचार्य सत्येंद्र दास की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। वह मंदिर परिसर में नियमित पूजा-अर्चना का नेतृत्व करते थे और राम भक्तों के लिए प्रेरणास्रोत थे।

स्कूटी पर जा रहे स्कूल प्रिंसिपल पर फेंका बम, पलभर में मौत

देवघर । आरएनएस

झारखंड के देवघर जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है।?खबर यह है कि यहां एक प्रिंसिपल पर बम से हमला कर दिया गया जिसमें प्रिंसिपल की मौत हो गई।?मृतक का नाम संजय कुमार दास है और वह महुआडाबर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक पद तैनात थे।?आज वह किसी समय से स्कूटी पर जा रहे?थे तो रास्ते में आरोपियों ने उन पर बम से हमला कर दिया।?हमले में दास गंभीर रूप से घायल हो गए।?उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि हमले के पीछे का कारण और अपराधियों की संख्या का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने अपराधियों की तलाश शुरू कर दी है।

महाकुंभ मेले में बच्चों को बिछड़ने से बचाने के लिए भोपाल के परिवार ने लगाई अनोखी तरकीब

महाकुंभ नगर । आरएनएस

प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। माघी पूर्णिमा का स्नान खत्म होने के बाद भी भक्तों की भीड़ कम नहीं है। इस विशाल जनसमूह में कई लोग अपने परिजनों से बिछड़ते और फिर मिलते हैं।

भीड़ में खोने की समस्या से बचने के लिए भोपाल से आए एक परिवार ने अनोखा तरीका अपनाया है। इस परिवार ने प्रयागराज आने से पहले अपने बच्चों के हाथों में मेहंदी से माता-पिता का फोन नंबर लिख दिया, ताकि अगर बच्चे मेले में बिछड़ जाएं, तो कोई भी व्यक्ति इस नंबर पर संपर्क कर उन्हें उनके परिवार से मिलवा सके।

परिवार का कहना है कि उन्होंने पेन से नंबर लिखने के बजाय मेहंदी का इस्तेमाल इसलिए किया क्योंकि पेन की स्याही जल्दी मिट जाती है, जबकि मेहंदी का रंग कई दिनों तक बना रहता है।

परिवार के एक सदस्य अजय सोनी ने बताया कि हम लोग रेलगाड़ी से आए। रेलगाड़ी में बहुत ज्यादा भीड़ थी। इसके अलावा यहां कुंभ में भी करोड़ों लोग स्नान कर चुके हैं। भीड़ में हमारे बच्चे सुरक्षित रहें और खोएं नहीं, इसलिए हम लोगों ने यह तरीका ढूंढा है। ताकि बच्चे सुरक्षित रहें। स्याही मिट जाती है। मेहंदी कई दिनों तक मिटेगी भी नहीं। ऐसे में इनके हाथ पर नंबर देखकर कोई न कोई हमें कॉल कर देगा।

बता दें कि गुरुवार को महाकुंभ का 32वां दिन है और श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। माघी पूर्णिमा के स्नान के साथ, अब विश्व रिकॉर्ड बनाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। इस उद्देश्य के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम मौजूद है। मेला प्रशासन भी पूरी तरह से तैयार है। महाकुंभ (जो कि विश्व की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर है) में अब तक 48 करोड़ से ज्यादा लोगों ने स्नान किया है। यह पहले ही दुनिया का सबसे बड़ा समागम बन चुका है। मेला प्रशासन ने अब चार नए विश्व रिकॉर्ड बनाने की योजना को कार्यान्वित करना शुरू कर दिया है, जिसकी शुरुआत शुक्रवार से होगी।

महाकुंभ : 38 लाख ने ग्रहण किया अदाणी, इस्कॉन द्वारा वितरित महाप्रसाद, 30 लाख आरती संग्रह का हुआ वितरण

प्रयागराज । आरएनएस

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सेवा और आध्यात्मिक तृप्ति के लिए अदाणी ग्रुप और इस्कॉन की पहल सुर्खियों में है। अब तक 31 दिनों में 38 लाख श्रद्धालु महाप्रसाद ग्रहण कर चुके हैं, जिसमें मौनी अमावस्या के दिन महाप्रसाद ग्रहण करने वाले 3.5 लाख श्रद्धालु शामिल हैं।

इधर, महाकुंभ परिक्षेत्र में पहुंचने वाले 30 लाख श्रद्धालुओं को गीता प्रेस द्वारा प्रकाशित आरती संग्रह भी भेंट की जा चुकी है। हर बार की तरह इस बार भी महाकुंभ में देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और अदाणी ग्रुप तथा इस्कॉन की यह पहल इस ऐतिहासिक आयोजन को और भी खास बना रही है। यह सेवा न केवल श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक है, बल्कि समर्पण और निस्वार्थ सेवा की एक मिसाल भी पेश कर रही है।

महाकुंभ में अदाणी ग्रुप और इस्कॉन की साझेदारी से महाप्रसाद सेवा चलाई जा रही है, जिसमें हर दिन लगभग एक लाख श्रद्धालुओं को भोजन वितरित किया जा रहा है। इस सेवा में 18,000 से अधिक सफाईकर्मी भी योगदान दे रहे हैं। इस सेवा को संचालित करने के लिए 5,000 से अधिक स्वयंसेवक प्रतिदिन अपनी निस्वार्थ सेवा दे रहे हैं।

श्रद्धालु महाप्रसाद की गुणवत्ता और पवित्रता की लगातार प्रशंसा कर रहे हैं। आयोजन स्थल पर महाप्रसाद की व्यवस्था इतनी सुचारू रूप से की गई है कि किसी भी श्रद्धालु को किसी तरह की असुविधा नहीं हो रही है। अदाणी ग्रुप ने गीता प्रेस के सहयोग से भक्तों को एक करोड़ आरती संग्रह की प्रतियां वितरित करने का संकल्प लिया है, जिसमें से अब तक 30 लाख प्रतियां श्रद्धालुओं को भेंट की जा चुकी हैं।

यह पहल सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और आध्यात्मिक साहित्य के प्रसार का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। महाकुंभ में संतों के प्रवचन, रामकथा, श्रीमद्भागवत कथा और अन्य धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ सेवा कार्यों को भी विशेष महत्व दिया गया है। अदाणी ग्रुप द्वारा की गई महाप्रसाद सेवा और आरती संग्रह वितरण ने श्रद्धालुओं के अनुभव को और भी दिव्य बना दिया है।

इस्कॉन द्वारा गीता सार की पांच लाख प्रतियां श्रद्धालुओं के बीच बांटने की भी योजना बनाई गई है, जिसमें अब तक 3 लाख प्रतियां वितरित की जा चुकी हैं। इसके अलावा, दिव्यांग, बुजुर्ग और छोटे बच्चों के साथ आने वाली माताओं के लिए गोल्फ कार्ट जैसी विशेष सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।